विकसित भारत अभियान
1947 TO 2047

सिविल अभियांत्रिकी विभाग
एवं
मानव संसाधन विकास केंद्र
दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

प्रायोजक

ए.आई.सी.टी.ई.-वाणी
(भारतीय भाषाओं के उत्थान और पोषण के लिए जीवंत वकालत)

राष्ट्रीय संगोष्ठी
आपदा प्रबंधन एवं लचीला बुनियादी ढांचा
(डिजास्टर मैनेजमेंट एंड रिजलेंट इंफ्रास्ट्रक्चर)

20 और 21 मार्च, 2025

मुख्य संरक्षक
प्रो. प्रतीक शर्मा
माननीय कुलपति, डी.टी.यू.

संरक्षक
प्रो. मधुसूदन सिंह
कुलसचिव, डी.टी.यू.

आयोजन अध्यक्ष
प्रो. के.सी. तिवारी
विभागाध्यक्ष,
सिविल अभियांत्रिकी विभाग, डी.टी.यू.

संयोजक
प्रो. प्रदीप कुमार गोयल
आचार्य, सिविल अभियांत्रिकी विभाग
एवं निदेशक एच.आर.डी.सी.-डी.टी.यू.

सह संयोजक
डॉ. रितु राज
सहायक आचार्य,
सिविल अभियांत्रिकी विभाग, डी.टी.यू.

मुख्य वक्ता

प्रो. टी.के. दत्ता
आचार्य (से.नि.), आई.आई.टी. दिल्ली

प्रो. सी.वी. आर मूर्ति
आचार्य, आई.आई.टी. मद्रास

डॉ. शैलेश अग्रवाल
कार्यकारी निदेशक,
बी.एम.टी.पी.सी., दिल्ली

प्रो. अनिल गुप्ता
आचार्य, आई.आई.टी. रुड़की,
आई.सी.ए.आर.एस, ग्रेटर नोएडा कैंपस

प्रो. ए.के. आहूजा
आचार्य (से.नि.) आई.आई.टी., रुड़की

प्रो. अमित श्रीवास्तव
आचार्य, डी.टी.यू., दिल्ली

10:00 AM Onwards **Pragyan Hall, Administrative Block, DTU**

राष्ट्रीय संगोष्ठी

आपदा प्रबंधन एवं लचीला बुनियादी ढांचा

(डिजास्टर मैनेजमेंट एंड रिजलेंट इन्फ्रास्ट्रक्चर)

दनांक: 20 और 21 मार्च ,2025

प्रायोजक

एआईसीटीई-वाणी

(भारतीय भाषाओं के उत्थान और पोषण के लिए जीवंत वकालत)

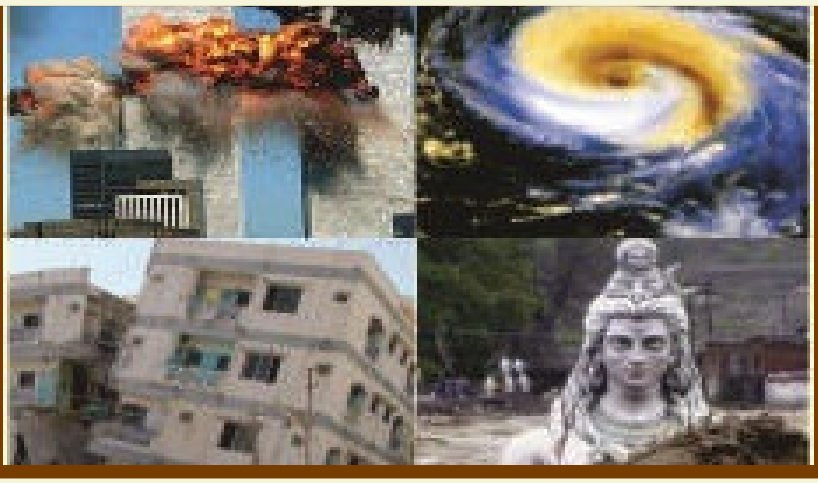

आयोजक

सिविल अभियांत्रिकी विभाग एवं मानव संसाधन विकास केंद्र

दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय

बवाना रोड, शाहबाद, दौलतपुर,

नई दिल्ली - 110042

संगोष्ठी के बारे में

आपदा एक प्राकृतिक या मानव निर्मित घटना है जिसके परिणामस्वरूप व्यापक मानवीय क्षति, आजीविका, संपत्ति और जीवन की हानि होती है। पिछले कुछ वर्षों में, विभिन्न आपदाओं की घटनाओं ने जीवन और संपत्ति को व्यापक नुकसान पहुंचाया है और आर्थिक विकास पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। मानव आबादी की तीव्र वृद्धि और अक्सर खतरनाक वातावरण में इसकी बढ़ती सांद्रता ने आपदाओं की आवृत्ति और गंभीरता दोनों को बढ़ा दिया है।

आपदा-प्रतिरोधी बुनियादी ढांचा आपदाओं के प्रभाव को कम करने और त्वरित पुनर्प्राप्ति को सक्षम करने के लिए रणनीतिक योजना, इंजीनियरिंग, प्रौद्योगिकी और सामुदायिक भागीदारी का पूरक है। इसका लक्ष्य समुदायों की आपदाओं को सहने, उनका जवाब देने और उनसे उबरने की क्षमता को मजबूत करना है, जिससे दीर्घकालिक स्थिरता और सुरक्षा निश्चित हो सके।

विषय

संगोष्ठी में निम्नलिखित विषयों पर केंद्रित होगा

- आपदाओं के प्रकार और भारत की भेद्यता प्रोफ़ाइल
- भेद्यता और जोखिम मूल्यांकन के तरीके
- आपदा प्रतिरोधी संरचनाओं के लिए तकनीकें
- आपदा न्यूनीकरण अध्ययन
- बुनियादी ढांचा, शहरी और व्यवसाय लचीलापन
- माइक्रो ज़ोनेशन के लिए तकनीकें

कौन भाग ले सकता है ?

एआईसीटीई द्वारा अनुमोदित संस्थानों के संकाय सदस्य, अनुसंधान विद्वान, यूजी/पीजी छात्र, सरकारी, सरकारी (सहायता प्राप्त) संस्थानों, डीम्ड विश्वविद्यालयों, उद्योग के प्रतिभागी और विभागाध्यक्ष/संस्थान/उद्योग द्वारा नामित मेजबान संस्थानों के कर्मचारी इस सेमिनार में भाग ले सकते हैं।

भागीदारी का प्रमाण पत्र

कार्यक्रम में न्यूनतम 80% उपस्थिति के साथ उपस्थित होने वाले सभी प्रतिभागियों को ई-प्रमाणपत्र जारी किया जाएगा।

पंजीकरण

- **कोई पंजीकरण शुल्क नहीं है**
- **लक्षित प्रतिभागी: 50**
- **पंजीकरण पहले फर्स्ट कम फर्स्ट सर्व के आधार पर स्वीकार किएजाएंगे।**
- **आवेदन की स्वीकृति ईमेल के माध्यम से सूचित की जाएगी।**

पंजीकरण लिंक:

click here

या

QR स्कैन करें

पंजीकरण की अन्तिम दिनांक:

14.03.2025

प्रतिभागियों के लिए पुष्टि की तिथि:

16.03.2025

मुख्य संरक्षक

प्रो. प्रतीक शर्मा

माननीय कुलपति, डीटीयू

संरक्षक

प्रो. मधुसूदन सिंह

कुलसचिव, डीटीयू

समन्वयक

प्रो. के.सी. तिवारी

विभागाध्यक्ष, सिविल अभियांत्रिकी विभाग

संयोजक

प्रो. प्रदीप कुमार गोयल

आचार्य , सिविल अभियांत्रिकी विभाग एवं निदेशक एचआरडीसी-डीटीयू

सह संयोजक

डॉ. रितु राज

सहायक आचार्य , सिविल अभियांत्रिकी विभाग

आयोजन समिति

प्रो. एस. अंबुकुमार	सिविल अभियांत्रिकी विभाग
प्रो. राजू सरकार	सिविल अभियांत्रिकी विभाग
श्री गौर अनुनय अशोक कुमार	पर्यावरण अभियांत्रिकी विभाग
डॉ. अनुराग गोयल	सीएसई विभाग
डॉ. दीपाली मल्होत्रा	प्रबंधन विभाग
डॉ. अनूप मंदपुरा	विद्युत अभियांत्रिकी विभाग
श्रीमती तराशा गुप्ता	अनुप्रयुक्त गणित विभाग

मुख्य वक्ता

प्रो. टी.के.दत्ता	आचार्य (सेविनवृत्त), आईआईटी दिल्ली
प्रो. सी.वी.आर. मूर्ति	प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की,
डॉ. शैलेश अवाल	कार्यकारी निदेशक बीएमटीपीसी, दिल्ली
प्रो. अनिल गुप्ता	प्रोफेसर, आईआईटी रुड़की, आईसीएआरएस, ग्रेटर नोएडा कैंपस
डॉ. अंशु शर्मा,	सह-संस्थापक, SEEDS
प्रो. के.सी. तिवारी	आचार्य, डीटीयू दिल्ली
प्रो. अमित श्रीवास्तव	आचार्य, डीटीयू दिल्ली

संपर्क सूत्र

डॉ. रितु राज
+ 91 9650 059 954

श्री गौर अनुनय अशोककुमार
+ 91 9911 037 525

डॉ. अनुराग गोयल
+ 91 9808 831 549

ई-मेल: **hrdc@dtu.ac.in**

मानव संसाधन विकास केंद्र
दिल्ली प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय
(पूर्व में, दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग) बवाना रोड, शाहबाद
दौलतपुर, दिल्ली, 110042

National Seminar on

DISASTER MANAGEMENT & RESILIENT INFRASTRUCTURE

(IN HINDI LANGUAGE)

20th & 21st MARCH,2025

SPONSORED BY

AICTE- VAANI

(VIBRANT ADVOCACY FOR ADVANCEMENT AND NURTURING OF INDIAN LANGUAGES)

Organized by

Dept. of Civil Engineering & Human Resource Development Center

Delhi Technological University,

Bawana Road, Shahbad, Daulatpur,

New DELHI—110042

ABOUT THE SEMINAR

A disaster is a natural or man-made event which results in widespread human loss, loss of livelihood, property and life.
Over the years, occurrence of various disasters has caused extensive damage to life and property and have adversely impacted economic development. The rapid growth of the human population and its increased concentration often in hazardous environment has escalated both the frequency and severity of disasters.

Disaster-resilient infrastructure complements strategic planning, engineering, technology, and community involvement to reduce the impact of disasters and enable quick recovery. The goal is to strengthen communities' capacity to endure, respond to, and recover from disasters, supporting long-term sustainability and security.

THEMES

Seminar will focus on the following areas:

- Type of Disasters and vulnerability Profile of India
- Methods of Vulnerability and Risk Assessment
- Techniques for Disaster Resistant Structures
- Disaster mitigation studies
- Infrastructure, Urban and Business Resilience Techniques for Micro zonation

WHO CAN ATTEND ?

The faculty members of the AICTE-approved institutions, research scholars, UG/PG students, participants from Government, Government (Aided) institutions, Deemed to be Universities, Industry, and staff of host institutions nominated by Head of Dept. / Institute / Industry can attend the Seminar

CERTIFICATE OF PARTICIPATION

E-Certificate will be issued to all the participants who physically attend the program with a minimum of 80% attendance.

REGISTRATION

- There is no registration fees
- Targeted participants 50
- Registrations will be accepted on a first come-first-serve basis
- Acceptance of application will be intimated through emails.

Registration Link: - click here

OR

Scan QR to Register

Last Date of Registration: 14.03.2025

Date of Confirmation to Participants: 16.03.2025

Chief Patron

Prof. Prateek Sharma

Hon'ble Vice Chancellor, DTU

Patron

Prof. Madhusudan Singh

Registrar, DTU

Convener

Prof. K.C. Tiwari

Head,Dept. of Civil Engg.

Coordinator

Prof. Pradeep K. Goyal

Professor , Dept. of Civil Engg. & Director, HRDC-DTU

Co-Coordinator

Dr. Ritu Raj

Assistant Prof. , Dept. of Civil Engg.

Organising Committee

Prof. S. Anbukumar	Dept. of Civil Engg.
Prof. Raju Sarkar	Dept. of Civil Engg.
Sh. Gour Anunay Ashokkumar	Dept. of Env.Engg.
Dr. Anurag Goel	Dept. of CSE
Dr. Deepali Malhotra	Dept. of DSM
Dr. Anup Mandpura	Dept. of Elec.Engg.
Ms. Trasha Gupta	Dept. of AM

Eminent Speakers

Prof. T.K.Datta	Professor(Retd.), IIT Delhi
Prof. C V R Murty	Professor , IIT Madras
Dr Shailesh Agrawal	Executive Director, BMTPC, New Delhi
Prof. Anil Gupta	Professor IIT Roorkee for ICARS, Gr. Noida campus
Dr. Anshu Sharma	Co-Founder, SEEDS
Prof. K.C. Tiwari	Professor, DTU Delhi
Prof. Amit Srivastava	Professor, DTU Delhi

For further information and details, please contact:

Dr Ritu Raj
+91 9650 059 954

Sh. Gour Anunay Ashokkumar
+91 9911 037 525

Dr. Anurag Goel
+91 9808 831 549

E-mail: **hrdc@dtu.ac.in**

HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT CENTRE

DELHI TECHNOLOGICAL UNIVERSITY

(Formerly, Delhi College of Engineering) Main Bawana Road,
Shahbad Daulatpur, Delhi, 110042